

13/7/87

पत्रावली लोक अदालत कम्प से लिखा हुआ  
प्राण स्वयं उपस्थित/सिमादान रिपोर्ट  
शांतिपत्रवली की पत्रावली का अवलोकन  
किया गया। सुतारिक तहसीलदार रिपोर्ट  
जिसमें पुलिस इत्यादि पत्रावली किया गया  
रिपोर्ट की

अतः प्राण का प्राठ पर स्वीकार किया  
जाता है व तहसीलदार निवेदन को ध्यान  
दिने जाते हैं कि प्राठ पर से अज्ञित सुशर्मा  
का सुतारिक सिमादान पत्रावली कायम  
की जाय। उक्त आवेग से कल्प सुपुत्री  
की कार्यवली नामकी नहीं रहेगी। इस  
आज्ञाप की तहसीलदार को जारी  
है। पत्रावली फसल सुमाद होकर जल्द  
से काम शरणील रखा है।



सदस्य

लोक अदालत कम्प  
लालसाद, जिला-दीपा